प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक का वार्षिक प्रकाशन, *भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां,* बैंकों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करता है । प्रकाशन, बैंकवार और बैंक समूहवार जैसे कि देयताएँ और आस्तियां, आय और व्यय, गैर निष्पादित आस्तियां, वित्तीय अनुपात, कार्यालयों का स्थानिक वितरण, कर्मचारियों की संख्या और प्राथमिक क्षेत्र एवं कमज़ोर वर्गों के अग्रिमों के ब्योरे जैसे महत्वपूर्ण मदों की जानकारी देता है । यह कुछ महत्वपूर्ण मदों पर बैंक के समूहवार मासिक आंकडें देता है जिसमें समग्र बैंकिंग प्रणाली के दायित्व, बैंकिंग प्रणाली की आस्तियां, निवेश, बैंक ऋण, क्षेत्रवार और उद्योगवार सकल बैंक ऋण आते है।

भारतीय रिज़र्व बैंक व्दारा प्रकाशित यह संस्करण श्रृंखला का 67वां अंक है । यदि हम तत्कालीन सांख्यिकी विभाग, भारत सरकार व्दारा प्रकाशित संस्करणों को जोड़ दें तो यह श्रृंखला का 92 वां अंक है । इस खंड का प्रकाशन श्री ए.बी.चक्रवर्ती, प्रभारी अधिकारी और डॉ.ए.के.श्रीमानी, परामर्शदाता, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के पूरे मार्गदर्शन से हुआ है।

इस प्रकाशन के लिए डॉ. प्रदीप भुयां, निदेशक, डॉ.अच्चमा सॅम्युअल, सहायक परामर्शदाता, श्री अमित कुमार और श्रीमती निवेदिता बॅनर्जी, अनुसंधान अधिकारी, श्रीमती शोभा ए. परब और श्री ए. थॉमस, सहायक प्रबंधक की एक मूल समिति बनी । उस समिति को श्री ए.एन.पटेल, श्री पी.एम.पाथरे, श्रीमती एस.आइ.मिस्कीटा, श्रीमती पी.पी.वनमाली और श्रीमती एल.बी.घरत ने सहायता दी ।

प्रकाशन समिति को प्रकाशन में उपयुक्त 'कॅमेरा रेडी' सामग्री बनाने के लिए डाटा वेयर हाउसिंग समिति ने भी अच्छी सहायता की । डाटा वेयर हाउसिंग समिति में सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के परामर्शदाता, श्री वी. बहुगुणा के मार्गदर्शन के अधीन, श्री एन. सेंथिल कुमार, निदेशक, श्री जे. नवास, सहायक परामर्शदाता और नानु राम मीना, अनुसंधान अधिकारी का समावेश था ।

मै यह उम्मीद करता हूँ कि वर्तमान प्रकाशन भारत में बैंकों की जानकारी देने के लिए मूल्यावान स्त्रोत साबित होगा और यह प्रकाशन रुचि पैदा करने और शोध कर्ताओं विश्लेषकों, नीति निर्माता ओं और बैंकरों के लिए उपयोगी होगा ।

दीपक मोहंती,
कार्यपालक निदेशक